KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 6

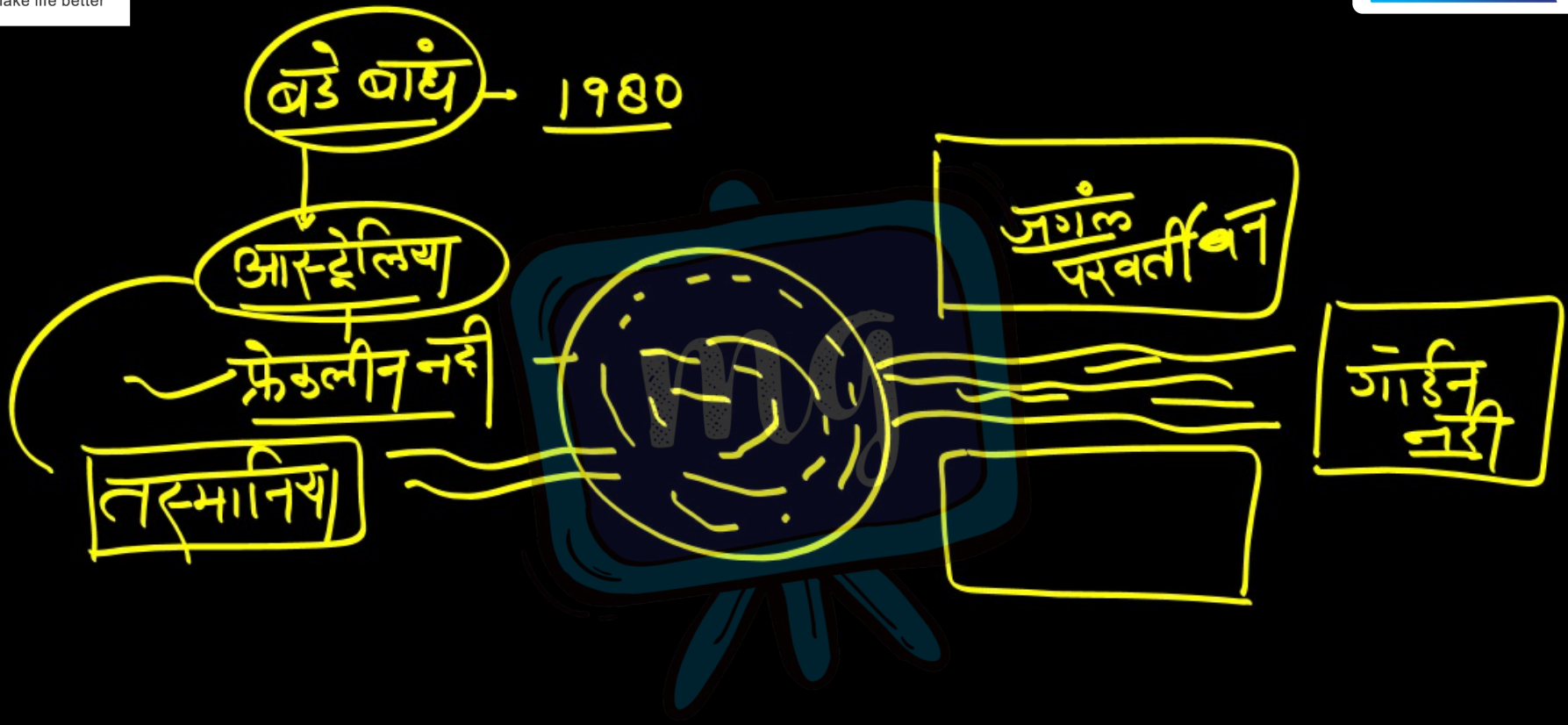
पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

भाग - 4

Satyaveer Yadav

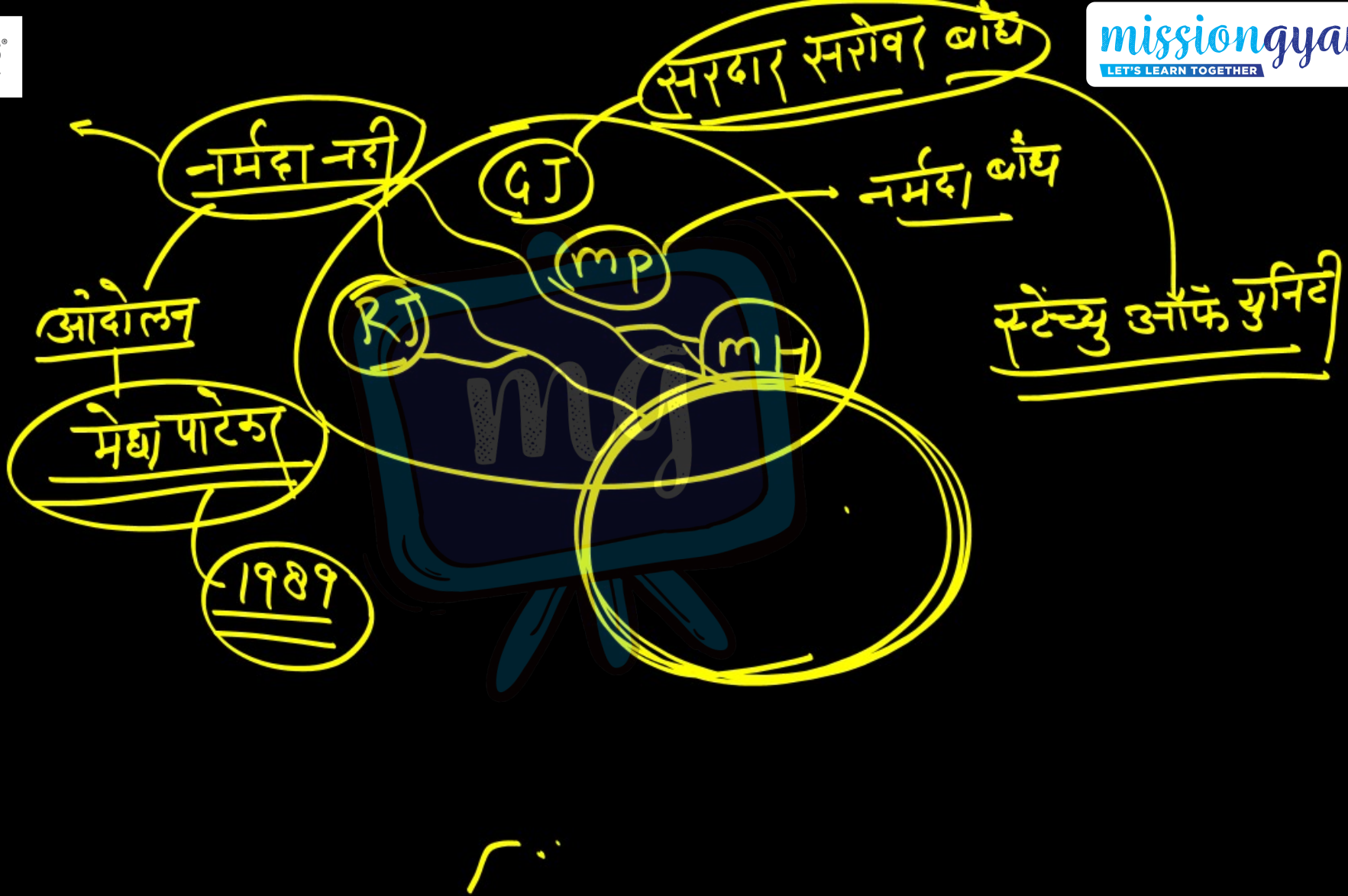
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संसाधनों की भू-राजनीति

- यूरोपीय ताकतों के विश्वव्यापी प्रसार का एक मुख्य साधन और मकसद रहे हैं संसाधन।
- संसाधनों को लेकर राज्यों के बीच तानातनी हुई।
- संसाधनों से जुड़ी भू-राजनीति को पश्चिमी दुनिया ने ज्यादातर व्यापारिक संबंध, युद्ध और ताकत के संदर्भ में सोचा।
- 17वीं सदी के समय इमारती लकड़ियों की आपूर्ति यूरोपीय शक्तियों की प्राथमिकताओं में रही।
- जहाज की शहतीरों के लिए इमारती लकड़ी की आवश्यकता।

KOLORS
make life better

शीतयुद्ध के दौरान – संसाधनों की भू–राजनीति

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तरी गोलार्द्ध के विकसित देशों ने संसाधनों की सतत् आपूर्ति के लिए कई तरह के कदम उठाये

- संसाधन दोहन इलाकों तथा समुद्री परिवहन मार्गों के इर्द–गिर्द सेना की तैनाती
- महत्वपूर्ण संसाधनों का भण्डारण
- संसाधनों के उत्पादक राष्ट्रों में मनपंसद सरकारों की बहाली
- बहुराष्ट्रीय निगमों और अपने हितसाधक अंतर्राष्ट्रीय समझौतों को समर्थन

पश्चिमी देशों के राजनीतिक चिंतन का केन्द्रीय सरोकार यह था कि संसाधनों तक पहुंच अबाध रूप से बनी रहे क्योंकि सोवियत संघ इसे खतरे में डाल सकता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तेल की राजनीति

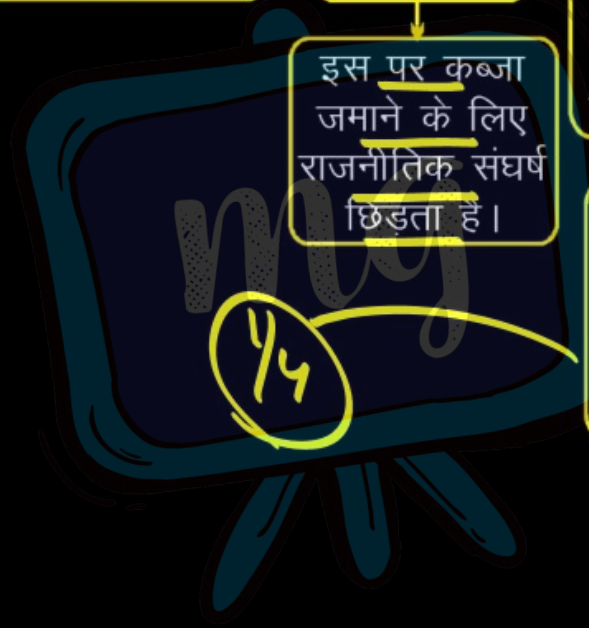
20वीं सदी में अधिकांश अर्थव्यवस्था तेल पर निर्भर रहीं।

तेल के साथ विपुल संपदा जुड़ी है।

इस पर कब्जा जमाने के लिए राजनीतिक संघर्ष छिड़ता है।

पश्चिम एशिया खासकर खाड़ी क्षेत्र विश्व के कुल तेल उत्पाद का 30 प्रतिशत मुहैया करवाता है।

सऊदी अरब के पास विश्व के कुल तेल भंडार का एक चौथाई हिस्सा मौजूद है।



इराक दूसरे नंबर पर है।

संयुक्त राज्य अमरीका, जापान, चीन और भारत में इस तेल की खपत होती है।

वे देश इस इलाके से बहुत दूरी पर हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पानी और विश्व राजनीति

विश्व के कुछ भागों में साफ पानी की कमी हो रही है।

विश्व के हर हिस्से में स्वच्छ जल समान मात्रा में मौजूद नहीं

जलधारा के उद्गम से दूर बसा हुआ देश उद्गम के नजदीक बसे हुए देश द्वारा इस पर बांध बनाने, इसके माध्यम से अत्यधिक सिंचाई करने एवं प्रदूषित करने पर आपत्ति जताता है।

1950 और 196 दशक में इजरा सीरिया तथा जार्डन के बीच संघर्ष हुआ।

तुर्की, सीरिया व इराक के बीच फरात नदी पर बांध के निर्माण को लेकर तनाव

जीवनदायी संसाधन को लेकर हिंसक संघर्ष होने की संभावना

विश्व–राजनीति के कुछ विद्वानों ने 'जलयुद्ध' शब्द गढा।

क्योंकि इससे दूर बसे हुए देश को पानी की मिलने वाली मात्रा कम होगी।

देशों के बीच स्वच्छ जल संसाधनों को हथियाने या उनकी सुरक्षा करने के लिए हिंसक झडपें हुई।

KOLORS make life better

मूलवासी और उनके अधिकार

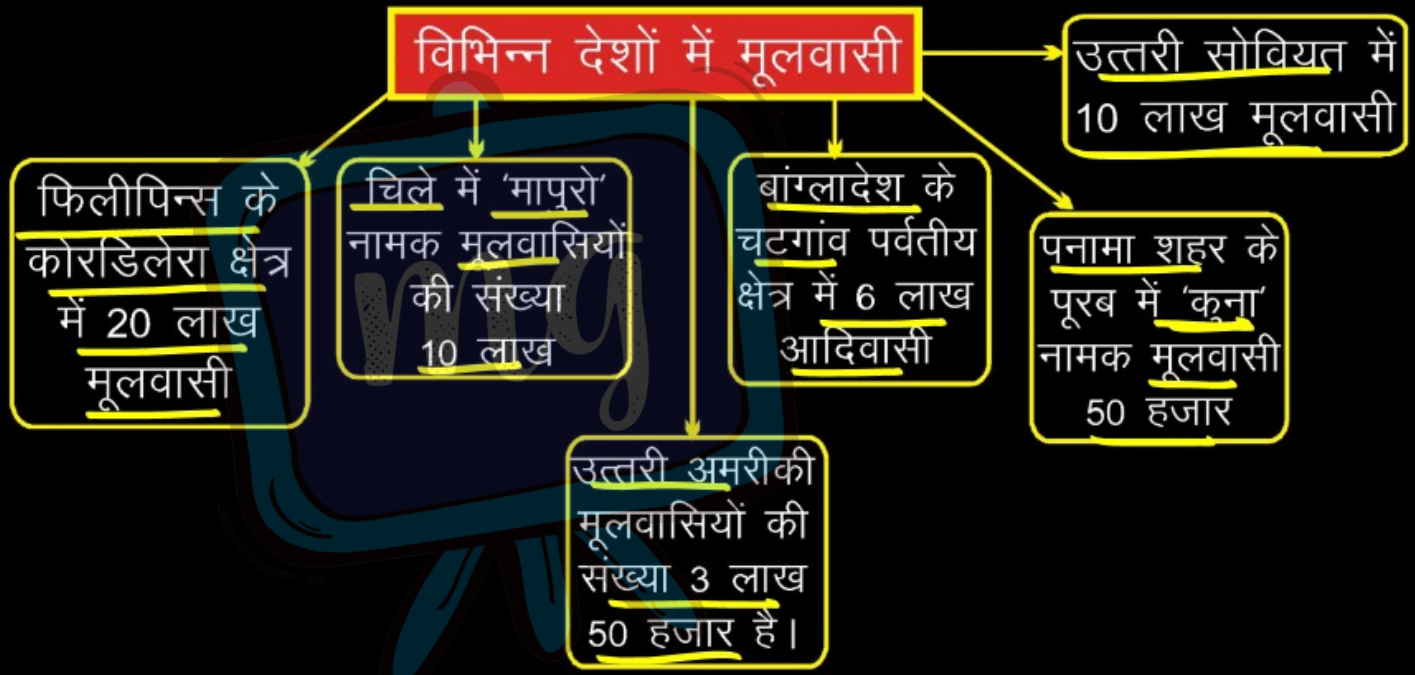
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- मूलवासियों का सवाल पर्यावरण संसाधन और राजनीति को एक साथ जोड़ देता है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1982 में इनकी एक परिभाषा दी।
- इन्हें ऐसे लोगों का वंशज बताया गया जो किसी मौजूदा देश में बहुत दिनों से रहते चले आ रहे थे।
- फिर कभी किसी दूसरी संस्कृति या जातीय मूल के लोग विश्व के दूसरे हिस्से से उस देश में आये और इन लोगों को अधीन बना लिया।
- किसी देश के 'मूलवासी' आज भी उस देश की संस्थाओं के अनुरूप आचरण करने से ज्यादा अपनी परंपरा, सांस्कृतिक रिवाज तथा अपने खास सामाजिक, आर्थिक ढर्रे पर जीवन यापन करना पसंद करते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व राजनीति–मूलवासी

- विश्व विरादरी में बराबरी का दर्जा पाने की मांग
- सरकारों से मांग
  - इन्हें मूलवासी कौम के रूप में अपनी स्वतंत्र पहचान रखने वाला समुदाय माना जाये।
- मूलवास स्थान पर हक की दावेदारी का एक जुमला
  - हम यहां अनंत काल से रहते चले आ रहे हैं।
- विश्व के विभिन्न स्थानों पर मूलवासियों की जमीन और उस पर आधारित विभिन्न जीवन–प्रणालियों के बारे में विश्व दृष्टि एक जैसी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में मूलवासी

'मूलवासी' के लिए अनुचित जनजाति या आदिवासी शब्द का प्रयोग

कुल जनसंख्या का आठ प्रतिशत

अधिकांश अपने जीवन यापन के लिए खेती पर निर्भर

सदियों से वे लोग बेधड़क जितनी बन पड़े उतनी जमीन पर खेती करते आ रहे थे।

ब्रितानी औपनिवेशिक शासन से इनका सामना बाहरी समुदायों से।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिहाज से इनको संवैधानिक सुरक्षा हासिल

देश के विकास का इन्हें लाभ नहीं

विकास परियोजनाओं के कारण इनको विस्थापित होना पड़ा।

इन्होंने विकास की बहुत बड़ी कीमत चुकायी है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में मूलवासी समुदायों के अधिकारों से जुड़े मुद्दे -

- 1970 के दशक में विश्व के विभिन्न भागों के मूलवासियों के नेताओं के बीच संपर्क बढ़ा।
- इससे इनके साझे अनुभवों और सरोकारों को एक शक्ल मिली।
- 1975 में 'वर्ल्ड काउंसिल ऑफ इंडिजिनस पीपल' का गठन हुआ।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ में सबसे पहले इस परिषद को परामर्शदायी परिषद् का दर्जा दिया गया।
- इसके अतिरिक्त आदिवासियों के सरोकारों से संबद्ध 10 अन्य स्वयंसेवी संगठनों को भी यह दर्जा दिया गया।